यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2021

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 8

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हों तो (✓) सही या (✗) गलत करें। ( )

2. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ( )

प्रश्न 1. सुत्र पूर्ण करे व अध्याय का नाम लिखे- 25

1. वीरसेणा ..... सयदुवारे

.....

..... सव्वट्ठसिद्धे।

नामः-

2. सुधोसे ..... महाघोसे

.....

..... जाव सिद्धे

नामः-

3. विजयपुरे .....

.....

..... जाव सिद्धे

नामः–

4. जहा सुबाहुस्स .....

.....

..... मुणस्साउए णिबद्धे।

नामः–

5. सुबाहुकुमारे समणस्स .....

.....

..... गुत्तबंभयारी।

नामः–

6. कणगपुरे ..... सिरिदेवी

.....

..... जाव सिद्धे।

नामः–

7. वीरपुरं णयरं। ..... सुजाए

.....

..... अणगारे पडिलाभिए

नामः–

8. इट्ठे इट्ठरूवे .....

.....

..... विभणं भंते।

नामः–

9. महापूरे ..... पंचसया

.....

.....जाव सिद्धे।

नामः–

10. चम्पाणयरी ..... जुवराया

.....

.....जाव सिद्धे।

नामः–

प्रश्न 2. निम्नलिखित नगरी के उद्यान के नाम लिखे **10**

1. राजगृह – .....
2. साकेत – .....
3. ऋषभपूर – .....
4. चम्पानगरी – .....
5. वीरपूर – .....
6. सुघोष – .....
7. विजयपूर – .....
8. महापूर – .....
9. सौगन्धिका – .....
10. कनकपूर – .....

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्य पूर्ण करें:– **5**

1. बाह्य युद्ध ..... सुख पाता ।
2. जैसी शक्ति ..... प्रत्याख्यान ।
3. दीक्षा नहीं ..... सारी ।
4. ज्ञाता ..... जन्ममहान ।
5. मेरू समान ..... नहीं आवे।

प्रश्न 4. सही या गलत **10**

1. भगवान के केश बढ़ते है ( )
2. अभयदान द्वारा कई आत्माओं ने भ्रवभ्रमाण का अन्त किया है। ( )
3. द्राक्षा का पानी साधु को नहीं बहरा सकते। ( )
4. सर्वसाधारण की विशेषता को अतिशय नहीं कहते ( )

5. दु:खियों को दान धर्म बुद्धी से देना चाहिए ( )

6. जो जिनभाषित हो वही शास्त्र है। ( )

7. राजा मणिरथ मरकर स्वर्ग में गये ( )

8. सोमिल ब्राह्मण ने गजसुकुमाल के सिर पर अंगारे रखे थे ( )

9. शाली भद्र का पूर्व जन्म का नाम संगमक था ( )

10. गजसुकुमाल ने भगवान महावीर के पास दिक्षा ग्रहण की। ( )

प्रश्न 5. प्रश्नों के उत्तर दे? **25**

1. तिर्थंकर प्रभु का प्रभा मण्डल कैसा होता है ?

.....

.....

2. 15 व 16 परिषह कौन से है ?

.....

.....

3. शलिभद्र मुनि आयु पूर्ण कर कहा गए ?

.....

.....

4. क्षायिक भाव किसे कहते है ?

.....

.....

5. 34 अतिशय में से कितने अतिशय जन्म से होते है?

.....

.....

6. 5 क्रियाओं के नाम लिखे?

.....

.....

7. आरंभ त्याग क्या है?

.....

.....

8. 12 मास की प्रव्रज्या वाला साधु क्या उल्लंघन कर जाता है?

.....

.....

9. मोक्ष का मूल संयम कौन से सूत्र पर आधारित है ?

.....

.....

10. भगवान ने उपदेश किस भाषा में फरमाया है?

.....

.....

11. दर्शनवादी क्या देखकर अभिमान का त्याग करते है?

.....

.....

12. निवार्ण किसे मिलता है ?

.....

.....

13. जब भगवान चलते है तो क्या होता है ?

.....

.....

14. 9 व 10 वीं प्रतिमा का नाम लिखे?

.....

.....

15. 7 से 11 गुणस्थान की स्थिति क्या है ?

.....

.....

प्रश्न 6. रिक्त स्थान की पूर्ति करेः- **12**

1. आचार धर्म के मूल भेद ..... और उत्तर भेद ..... है।

2. दा का अर्थ है .....।

3. ..... चारो पुरूषार्थ ज्ञान से सिद्ध होते है।

4. भगवान के चारे और ..... वायु चलती है।

5. मोक्ष के चार उपयि ..... है।

6. ज्ञान सिखते हुए यथाशक्ति तप करना ..... है।

7. प्रतिसंलीनता ..... तप है।

8. श्रावक के लिए सिर्फ ..... अहिंसा खुली है।

9. सचित्त त्याग प्रतिमा की अवधि ..... मास की है।

10. खेती बाड़ी से श्रावक जी की दया ..... घट गई।

11. समिति गुप्तियों से युक्त अणगार भगवंतो की ..... है।

12. परदर्शन की वांछा नहीं करना ..... कहलाता है।

प्रश्न 7. किसने किससे कहा **5**

1. तुम्हारे एक भाग्यशाली पूत्र होगा।

.....

2. बाते करना जितना सरल है, कर दिखाना उतना सरल नहीं है।

.....

3. मेरा मन अब संसार त्यागकर साध्वी बनने का निश्चय कर चुका है।

.....

4. गजसुकुमाल अनगार ने अपना प्रयोजन सिद्ध कर लिया है।

.....

5. सीमा पार के कुछ क्षेत्रो में अशांति बढ़ रही है-

.....

प्रश्न 8. अंको में उत्तर दो **10**

1. गुणस्थान स्वरूप में कितने द्वार है?

2. 7वें गुणस्थान में कितनी लेश्या होती है?

3. हेतु कितने है?

4. बंध के कितने कारण है?

5. निर्जरा कितने कर्मों की होती है?

6. कितने गुणस्थान तक चारित्र नहीं है?

7. करण सत्तरी के कितने भेद?

9. शाश्वत गुणस्थान कितने है?

10. 12वें गुणस्थान में कितने कर्मों की सत्ता है

प्रश्न 9. परमात्म बत्तीसी के पहला व आखरी दोहे लिखे **5**

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....